सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

मासिक ई पत्रिका अंक 38

फरवरी–2023

मेरा गाँव
मेरा बड़ा परिवार

www.suryafoundation.org

प्रवासी कार्यकर्ता दक्षता वर्ग : कुकमा, भुज (गुजरात)

किसी काम को अच्छी तरह से करने की निपुणता, कुशलता, सामर्थ्य, क्षमता तथा कार्य के बारे में पूर्ण जानकारी होना दक्षता कहलाता है। सूर्या फाउण्डेशन के अंतर्गत चलाई जा रही आदर्श गाँव योजना के प्रवासी कार्यकर्ताओं में कार्य करने की क्षमता का विकास हो, कार्य को गहराई से समझकर ग्राम विकास के काम को और गति दे सकें, इसके लिए 5 दिवसीय (1-5 फरवरी 2023) प्रवासी कार्यकर्ता दक्षता वर्ग का आयोजन चिंतन साधना स्थली कुकमा, भुज (गुजरात) में आयोजित किया गया।

चिंतन साधना स्थली में जैविक खेती, गौ-संवर्धन, पर्यावरण संरक्षण, के साथ ग्रामोद्योग के लिए लगभग 100 प्रकार के गौ उत्पाद तैयार किये जाते हैं। इस बार हमारी आदर्श गाँव योजना टोली को भी एक शुभअवसर मिला।

सभी कार्यकर्ताओं ने इस वर्ग के दौरान श्री रामकृष्ण ट्रस्ट की टीम द्वारा गौ उत्पाद का प्रैक्टिकल प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिला और सभी ने इसका लाभ भी लिया। थ्योरी में श्री मनोजभाई सोलंकी जी ने सभी कार्यकर्ताओं को अपने द्वारा किये हुए कार्य के अनुभवों को साझा करते हुए जैविक खेती, गौ-संवर्धन, पर्यावरण संरक्षण एवं ग्राम उद्योग की विस्तृत जानकारी दी।

सभी कार्यकर्ताओं को गुजरात के कुछ पर्यटन स्थलों जैसे अदानी (मुंद्रा) पोर्ट, पंडित श्यामजी कृष्ण वर्मा जन्म स्थली माण्डवी, स्मृति वन (भूकंप संग्रहालय) एवं वंदे मातरम मेमोरियल (पार्लियामेंट) भ्रमण करने का अवसर मिला।

मधुमक्खी पालन : भजनपुर, सिलीगुडी, दार्जिलिंग (प.बं.)

सूर्या फाउण्डेशन के तत्वाधान में तथा खादी एवं ग्राम उद्योग आयोग के सौजन्य से भजनपुर में स्वयं सहायता समूह की 20 बहनों को 200 मधुमक्खी पालन के बक्से वितरण किए गये। इस अवसर पर सुदर्शन राजवर ने कहा की खादी एवं ग्राम उद्योग आयोग ग्राम स्तर पर छोटे उद्योगों के माध्यम से स्वरोजगार देने का कार्य कर रहा है। जिसमें मधुमक्खी पालन, मशरूम की खेती, बकरी पालन, मुर्गी पालन के साथ-साथ हस्तशिल्प के प्रशिक्षण भी दिए जाते हैं। प्रशिक्षित होकर कार्य की गुणवत्ता में निखार आता है, आय में वृद्धि होती है, जिससे परिवार स्वावलंबी बनेगा, स्वावलंबी परिवार ही समृद्ध भारत का आधार है। क्षेत्र प्रमुख भीखपुरी गोस्वामी ने कहा की सूर्या फाउण्डेशन ग्राम विकास के कार्यों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, संस्कार के साथ-साथ स्वावलंबन की दिशा में भी कार्य कर रहा है। सरकारी योजनाओं का ग्राम वासियों को लाभ मिले इसमें भी प्रयासरत है। इस कड़ी में आज खादी एवं ग्राम उद्योग आयोग के सौजन्य से पाँच स्वयं सहायता समूह की बहनें तथा युवाओं को पाँच-पाँच दिन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा प्रशिक्षण के पश्चात बक्से वितरण किये गये हैं। इनकी साल-सम्भाल तथा मार्केटिंग की व्यवस्था में भी हम सहयोग करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा आप सबका भी दायित्व है कि नई तकनीक सीखकर उसे अपने व्यवहारिक जीवन में प्रयोग करते हुए अपनी आय को बढ़ाएँ इसके लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लेकर हाटबाजार का भी उपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में घोष, भीखपुरी गोस्वामी, सोबिंद बर्मन, निरेन बर्मन, तरुण सिंह, धर्मेन्द्र रॉय, मामीनी मंडल, पातिका सिंह, पिंकी रॉय, अल्पना, संजय लिम्बू, कमल दहल, मिलन शर्मा सहित अनेक पुरुषों तथा महिलाओं की सहभागिता रही।

छड़ी वितरण कार्यक्रम : भिण्ड (मध्य प्रदेश)

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के द्वारा भिण्ड जिले के सर्वा गाँव में वरिष्ठ जनों के लिए छड़ी वितरण कार्यक्रम किया गया। मुख्य अतिथि श्री कालीचरण तोमर जी (जनपद अध्यक्ष गोहद) ने कहा कि फाउण्डेशन ग्राम विकास के क्षेत्र में कई कार्य कर रहा है। इस कार्यक्रम को आयोजित कर बुजुर्गों के लिए उपयोगी और सहारा उपलब्ध कराया है जिससे उन्हें चलने में बहुत आसानी होगी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री जनवेद सिंह ने कहा फाउण्डेशन के कार्य अन्य लोगो के लिए अनुकरणीय हैं। कार्यक्रम में 25 बुजुर्गों को हैंड स्टिक का वितरण सूर्या फाउण्डेशन के द्वारा किया गया जिसे पाकर बुजुर्गों के चेहरों में खुशी दिखी। कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री हरिओम जी ने फाउण्डेशन एवं टीम की सामाजिक कार्य के लिए संस्था के संस्थापक पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल जी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के सह क्षेत्र प्रमुख अशोक कुमार, नर सिंह, आकाश, बादाम, महेश, राजीव, धर्मेंद्र, अनिल, एवं गाँव के वरिष्ठ जन उपस्थित रहे।

विज्ञान दिवस कार्यक्रम जयपुर (राजस्थान)

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर सूर्या फाउण्डेशन की ओर से बिंदायका, नंदविहार में संचालित सूर्या संस्कार केन्द्र व सूर्या यूथ क्लब पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। फाउण्डेशन कार्यकर्ता संध्या शर्मा ने बच्चों को बताया कि विज्ञान दिवस डॉ. सी.वी रमन द्वारा खोजे गए 'रमन प्रभाव' के सम्मान में मनाया जाता है। कार्यक्रम का आयोजन विजय प्रजापति, मुकेश प्रजापति द्वारा भी अपने अपने केन्द्रों पर किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य था कि बच्चों व युवाओं को देश की प्रगति में वैज्ञानिकों की भूमिका के बारे में पता चल सके। सूर्या फाउण्डेशन राजस्थान क्षेत्र प्रमुख आदर्श मिश्रा ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों व युवाओं को नयी-नयी जानकारियाँ मिलती है तथा उन्हें कुछ नया करने का प्रोत्साहन भी मिलता है। अलग-अलग केन्द्रों पर हुए कार्यक्रमों में लगभग 70-80 युवा व बच्चे उपस्थित रहे।

नेचुरोपैथी एक समग्र आयुर्विज्ञान

राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान एवं आयुष मंत्रालय के सहयोग से इंटरनेशनल नेचुरोपैथी ऑर्गेनाइजेशन एवं सूर्या फाउण्डेशन द्वारा आयोजित नेचुरोपैथी एक समग्र आयुर्विज्ञान कार्यक्रम देशभर में आयोजित कर रहा है। फरवरी माह में 21 स्थानों में 2176 से अधिक लोगो ने नि:शुल्क परामर्श प्राप्त किया। नेचुरोपैथी एक समग्र आयुर्विज्ञान कार्यक्रम भिंड जिले के सर्वा (गोहद) में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. हरिओम गौतम जी (वरिष्ठ नेचुरोपैथी सलाहकार-ग्वालियर), श्री शिव राजवाड़े (क्षेत्र प्रमुख-मध्यप्रदेश), श्री कालीचरण तोमर जी (जनपद पंचायत-अध्यक्ष), श्री नरेन्द्र सिंह भदौरिया (बेसिक शिक्षा अधिकारी-गोहद), श्री जनवेद सिंह तोमर (पूर्व सरपंच-सर्वा ग्राम) उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हरिओम गौतम ने ग्रामीणों को स्वस्थ रहने के लिए कई मंत्र दिए। जैसे-कब्ज से छुटकारा पाकर आप कैसे अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं, साथ ही संतुलित आहार, भोजन कब और कितनी मात्रा में करना चाहिए? अपने जीवन में शरीर को स्वस्थ रखने के लिए मनुष्य की दिनचर्या और खानपान कैसा होना चाहिए? साथ ही आज के समय में होने वाली नई-नई बीमारियों से छुटकारा पाने के लिए बगैर अंग्रेजी दवाइयों के भी आप शरीर को कैसे स्वस्थ रख सकते हैं? और प्रकृति से जुड़कर एक लंबी आयु का जीवन कैसे जी सकते हैं? ग्रामीणों ने डॉक्टर सुरेश सिंह इंदौरिया से अपनी बीमारियों को दूर करने के लिए उपाय भी पूछे। डॉ. सुरेश सिंह ने ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ व उनके निवारण के उपाय भी बताए। बेसिक शिक्षा अधिकारी नरेंद्र सिंह वर्मा ने फाउण्डेशन का विस्तृत परिचय दिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जनपद पंचायत अध्यक्ष व ग्रामीणों ने राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान एवं आयुष मंत्रालय का आभार व्यक्त किया।

पोषण वाटिका प्रदर्शनी : बम्हनी, राजनांदगाँव (छत्तीसगढ़)

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के 'हर घर पोषण वाटिका अभियान' के अन्तर्गत देशभर में ग्रामीणों को सब्जियों के बीज उपलब्ध कराये जाते हैं, जिससे महिलाओं को अपने परिवार के पोषण मे अच्छी मदद मिलती है। छत्तीसगढ़ के आदर्श गाँव पेण्ड्री एवं बम्हनी की माताओं-बहनों ने सूर्या फाउण्डेशन एवं NIN के संयुक्त तत्वाधान में शासकीय प्राथमिक पाठशाला बम्हनी में आयोजित प्राकृतिक चिकित्सा शिविर में पोषण वाटिका में तैयार सब्जियों की प्रदर्शनी लगायी, जिसमें फूल गोभी, टमाटर, मिर्च, सरसों, मूली, गाजर, धनिया, बैगन, भाजी एवं अन्य सभी जैविक सब्जियाँ शामिल थीं। महिलाओं द्वारा किया गया यह कार्य कार्यक्रम में आये सैकड़ों प्रतिभागियों के लिए एक सीख थी जिससे वे भी स्वयं अपने घरो में पोषण वाटिका तैयार कर शुद्ध एवं ताजी जैविक सब्जियाँ प्राप्त कर सकें।

बाल शिविर : काशीपुर (उत्तराखण्ड)

उत्तराखण्ड क्षेत्र मे काशीपुर सूर्या प्लांट के आसपास 10 गाँव से कक्षा 5 से 10 तक के 96 भैया बहनों ने बाल शिविर में भाग लिया। जिसका उद्घाटन श्री आशुतोष मिश्रा जी (मा. खण्ड संघ चालक-RSS) ने किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि आज के बच्चे कल का भारत है। हमे अपने देश पर गर्व करना चाहिए। आगे कहा कि देश हमे देता है सब कुछ तो बदले में हमे भी तो कुछ देना चाहिए। दिनेश जी ने महापुरुषों की जानकारी दी और उनके आदर्श को अपने जीवन में उतारने को कहा। शारीरिक कार्यक्रम में सूर्य नमस्कार, नौका दौड़, रस्साकसी, दौड़ 100 मीटर, नींबू चम्मच दौड़, म्यूजिकल चेयर प्रतियोगित कराई गई। कार्यक्रम के समापन में संजीव कुमार जी (HR महाप्रबंधक-सूर्या प्लांट) और जिगनेश जी ने विजयी बच्चों को पुरुस्कार वितरित किए। कार्यक्रम का संचालन कर रहे हिमांशु जी ने सभी सहयोगी बंधु व सूर्या फाउण्डेशन टीम का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम मे श्री नीतीश जी (क्षेत्र प्रमुख), सोनू, राहुल पाण्डे, नितिन साहू, सुनील आदि उपस्थित रहे।

प्रेरक प्रसंग : तीन पुतले

महाराजा चन्द्रगुप्त का दरबार लगा हुआ था। सभी सभासद अपनी-अपनी जगह पर विराजमान थे। महामंत्री चाणक्य दरबार की कार्यवाही कर रहे थे।

महाराजा चन्द्रगुप्त को खिलौनों का बहुत शौक था। उन्हें हर रोज एक नया खिलौना चाहिए था। आज भी महाराजा के पूछने पर कि क्या नया है; पता चला कि एक सौदागर आया है और कुछ नये खिलौने लाया है। सौदागर का ये दावा है कि महाराज या किसी ने भी आज तक ऐसे खिलौने न कभी देखें हैं और न कभी देखेंगे। सुन कर महाराज ने सौदागर को बुलाने की आज्ञा दी। सौदागर आया और प्रणाम करने के बाद अपनी पिटारी में से तीन पुतले निकाल कर महाराज के सामने रख दिए और कहा कि अन्नदाता ये तीनों पुतले अपने आप में बहुत विशेष हैं। देखने में भले एक जैसे लगते हैं मगर वास्तव में बहुत निराले हैं। पहले पुतले का मूल्य एक लाख मोहरे हैं, दूसरे का मूल्य एक हजार मोहरे हैं और तीसरे पुतले का मूल्य केवल एक मोहर है।

सम्राट ने तीनों पुतलों को बड़े ध्यान से देखा। देखने में कोई अन्तर नहीं लगा, फिर मूल्य में इतना अन्तर क्यों? इस प्रश्न ने चन्द्रगुप्त को बहुत परेशान कर दिया। हार कर उसने सभासदों को पुतले दिये और कहा कि इनमें क्या अन्तर है मुझे बताओ। सभासदों ने तीनों पुतलों को घुमा फिराकर सब तरफ से देखा मगर किसी को भी इस गुत्थी को सुलझाने का जवाब नहीं मिला। चन्द्रगुप्त ने जब देखा कि सभी चुप हैं तो उसने वही प्रश्न अपने गुरु और महामंत्री चाणक्य से पूछा।

चाणक्य ने पुतलों को बहुत ध्यान से देखा और दरबान को तीन तिनके लाने की आज्ञा दी। तिनके आने पर चाणक्य ने पहले पुतले के कान में तिनका डाला। सब ने देखा कि तिनका सीधा पेट में चला गया, थोड़ी देर बाद पुतले के होंठ हिले और फिर बन्द हो गए। अब चाणक्य ने अगला तिनका दूसरे पुतले के कान में डाला। इस बार सब ने देखा कि तिनका दूसरे कान से बाहर आ गया और पुतला ज्यों का त्यों रहा। ये देख कर सभी की उत्सुकता बढ़ती जा रही थी कि आगे क्या होगा। अब चाणक्य ने तिनका तीसरे पुतले के कान में डाला। सब ने देखा कि तिनका पुतले के मुँह से बाहर आ गया है और पुतले का मुँह एक दम खुल गया। पुतला बराबर हिल रहा है जैसे कुछ कहना चाहता हो।

चन्द्रगुप्त के पूछ्ने पर कि ये सब क्या है और इन पुतलों का मूल्य अलग अलग क्यों है, चाणक्य ने उत्तर दिया।

राजन, चरित्रवान सदा सुनी सुनाई बातों को अपने तक ही रखते हैं और उनकी पुष्टी करने के बाद ही अपना मुँह खोलते हैं। यही उनकी महानता है। पहले पुतले से हमें यही ज्ञान मिलता है और यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य एक लाख मोहरें है।

कुछ लोग सदा अपने में ही मग्न रहते हैं। हर बात को अनसुना कर देते हैं। उन्हें अपनी वाह-वाह की कोई इच्छा नहीं होती। ऐसे लोग कभी किसी को हानि नहीं पहुँचाते। दूसरे पुतले से हमें यही ज्ञान मिलता है और यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य एक हजार मोहरें है।

कुछ लोग कान के कच्चे और पेट के हलके होते हैं। कोई भी बात सुनी नहीं कि सारी दुनिया में शोर मचा दिया। इन्हें झूठ सच का कोई ज्ञान नहीं, बस मुँह खोलने से मतलब है। यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य केवल एक मोहर है।

आप कौन से पुतले हैं..!!

कार्यक्रमों की झलकियाँ समाचार पत्रों में...

सूर्या फाउंडेशन के द्वारा ग्राम विकास के सभी क्षेत्र में कार्य कर रही है

रिपोर्टर अमित शर्मा

सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के द्वारा भिण्ड जिला के सर्वा गांव में वरिष्ठ जन के लिए छड़ी वितरण कार्यक्रम में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष गोहद श्री काली चरण सिंह तोमर जी ने कहा सुर्या फाउंडेशन के द्वारा ग्राम विकास के सभी क्षेत्र में कार्य कर रही है शिक्षा, स्वस्थ्य, स्वरोजगार, समरसता, संस्कार व सामाजिक उत्तरदायित्व को देख कर हम यह कह सकते है कि सुर्या फाउंडेशन एक पूर्ण सामाजिक संस्था है जो देश के हर वर्ग के लिए कार्यरत है। आज यह कार्यक्रम आयोजित कर बुजुर्ग के एक उपयोगी और बुजुर्गों के लिए एक बड़ा सहारा उपलब्ध कार्य है जिससे उनके चलने में बहुत सहायक होगा। कार्यक्रम के अतिथि श्री जनवेद सिंह ने कहा सुर्या फाउंडेशन के कार्य सभी समाज हितकरी हो वे जिस प्रकार से ग्राम विकास का कार्य कर रहे है वह कार्य अन्य लोगो के अनुकरण लायक है। बुजुर्गों के लिए बहुत बड़ा सहायक होगा यह कार्यक्रम। कार्यक्रम में 25 बुजुर्गो

को हैंड स्टीक का सुर्या फाउंडेशन के द्वारा किया गया जिसे पा कर बुजुर्गों के चेहरों में खुशी दिखी। कार्यक्रम के आभार में सूर्या फाउंडेशन के क्षेत्र प्रमुख शिव कुमार राजवाड़े ने कहा कि सूर्या फाउंडेशन की स्थानीय टीम व गांव के सेवाभावी के द्वारा जिस प्रकार सहयोग मिलता है वे सभी के लिए प्रेरणा है कार्यक्रम में गांव जानो के स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया व मरीजो को निःशुल्क दवा का वितरण किया गया।कार्यक्रम में सुर्या फाउंडेशन आदर्श गाँव योजना के सह क्षेत्र प्रमुख अशोक कुमार, नर सिंह, आकाश, बादाम, महेश, राजीव, धर्मेंद्र, अनिल, एव गांव वरिष्ठ जन उपस्थित रहे।

ग्राम उद्योग आयोग के सौजन्य से स्वयं सहायता समूह की 20 बहनों को 200 मधुमक्खी पालन के बक्से का वितरण।

रंजीत कुमार पोद्दार : संवाददाता : समाज जागरण

सिलीगुड़ी : सूर्या फाउंडेशन के तत्वाधान में तथा खादी एवं ग्राम उद्योग आयोग के सौजन्य से भजनपुर में स्वयं सहायता समूह की 20 बहनों को 200 मधुमक्खी पालन के बक्से वितरण किए गए। इस अवसर पर सुदर्शन राजवर ने कहा की खादी एवं ग्राम उद्योग आयोग ग्राम स्तर पर छोटे उद्योगों के माध्यम से स्वरोजगार देने का कार्य कर रहा है। जिसमें मधुमक्खी पालन, मशरूम, बकरी पालन, मुर्गी पालन के साथ-साथ हस्तशिल्प के प्रशिक्षण भी दिए जाते हैं।

प्रशिक्षित होकर कार्य से कार्य की गुणवत्ता में निखार आता है। आय में वृद्धि होती है जिससे परिवार स्वावलम्बी बनेगा। स्वावलंबी परिवार ही समृद्ध भारत का आधार है। भीखपुरी गोस्वामी क्षेत्र प्रमुख सूर्या फाउंडेशन ने कहा की सूर्या फाउंडेशन ग्राम विकास के कार्यों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, संस्कार के साथ साथ स्वावलंबन की दिशा में भी कार्य कर रहा है। सरकारी योजनाओं के ग्राम वासियों को लाभ मिले इसमें भी प्रयासरत है इसी कड़ी में आज खादी एवं ग्राम उद्योग आयोग के सौजन्य से पांच स्वयं सहायता समूह की बहनें तथा युवाओं को पांच-पांच दिन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा प्रशिक्षण के पाश्चात आज बक्से वितरण किए जा रहे इनकी साल-सम्भाल तथा मार्केटिंग में व्यवस्था में भी हम सहयोग करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा आप सबका भी दायित्व है कि नई तकनीक सीखकर उसे अपने व्यवहारिक जीवन में प्रयोग करते हुए अपनी आय को बढ़ाएं इसके लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लेकर हाटबाजार का भी उपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में घोष, भीख पुरी गोस्वामी, सोबिंद बर्मन, निरेन बर्मन, तरुण सिंह, धर्मेन्द्र रॉय, मामीनी मंडल, पातिका सिंह, पिंकी रॉय, अल्पना, संजय लिंबू, कमल दहल, मिलन शर्मा सहित अनेक पुरुषों तथा महिलाओं की सहभागिता रही।

અંજાર, કચ્છ

સૂર્યા ફાઉન્ડેશન દ્વારા "કાર્યકર્તા દક્ષતા વર્ગ" શ્રી રામકૃષ્ણ ટ્રસ્ટ, કુકમા ખાતે યોજાયો

ફાઉન્ડેશન દ્વારા આયોજિત આદર્શ ગાંવ યોજનાના ૪૬ પૂર્ણકાલીન કાર્યકર્તાઓનો ૧ થી ૫ ફેબ્રુઆરી, ૨૦૨૩ (પાંચ) દિવસીય "કાર્યકર્તા દક્ષતા વર્ગ" શ્રી રા કૃષ્ણ ટ્રસ્ટ આશ્રમ, કુકમા, ગુજરાત ખાતે યોજાયો હતો. આ વર્ગનું ઉદ્ઘાટન મા. શ્રી મનોજભાઈ સોલંકી (સ્થાપક ટ્રસ્ટી શ્રી રામકૃષ્ણ ટ્રસ્ટ, કુકમા), શ્રી પ્રમોદ આસરે (પ્રમુખ, સૂર્યા આદર્શ ગાંવ યોજના), શ્રી કામેશ્વર દલાઈ (ટ્રસ્ટી, સૂર્યા ફાઉન્ડેશન), શ્રી ભરતરાજ ઓઝા હસ્તે ભારતમાતા ની પ્રતિમા સમક્ષ દીપ પ્રાગટ્ય કરી કરવામાં આવ્યું હતું. આ વર્ગમાં શ્રી પ્રમોદ આસરે જણાવ્યું કે આ વર્ગ દર ત્રણ મહિને સૂર્યા સાધના સ્થલી, ઝિંઝોલી-દિલ્હી ખાતે યોજવામાં આવે છે, જેમાં છેલ્લા ત્રણ મહિનાના કામની સમીક્ષા અને આગામી ત્રણ મહિનાની કાર્ય યોજના તૈયાર કરવામાં આવે છે. જેમાં કાર્યકર્તાઓને કંઈક નવું શીખવા મળે છે. આ વખતે કંઇક નવું શીખવા મળે તે હેતુથી શ્રી રામકૃષ્ણ ટ્રસ્ટ, કુકમા ખાતે યોજવામાં આવ્યું, જેમાં શ્રી મનોજભાઈ સોલંકી જી તેમજ તેમની ટીમનાં માધ્યમ થી ગૌ ઉત્પાદન, જૈવિક ખેતી, હસ્તશિલ્પ તેમજ ગ્રામોદ્યોગ જાણકારી અને પ્રેક્ટીકલ શીખવવામાં આવ્યું હતું.

શ્રી રામકૃષ્ણ ટ્રસ્ટ, કુકમા

प्राकृतिक चिकित्सा एक जीवन पद्धति है : गौतम

नगर चिंगारी|ग्वालियर

राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान एवं आयुष मंत्रालय के सहयोग से इंटरनेशनल नेचुरोपैथी ऑर्गेनाइजेशन एवं सूर्या फाउंडेशन द्वारा आयोजित नेचरोपैथी एक समग्र आयुर्विज्ञान कार्यक्रम आज भिंड जिले के सर्वा(गोहद) में संपन्न हुआ। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में आईएनओ के प्रदेश उपाध्यक्ष हरिओम गौतम, शिव राजवाड़े क्षेत्र प्रमुख मध्यप्रदेश, कालीचरण सिंह तोमर जनपद पंचयात अध्यक्ष, नरेन्द्र सिंह भदौरिया बेसिक शिक्षा अधिकारी गोहद, जनवेद सिंह तोमर, पूर्व सरपंच सर्वा थे।कार्यक्रम में हरिओम गौतम ने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा न केवल उपचार की पद्धति है, अपितु यह एक जीवन पद्धति है। उन्होंने ग्रामीणों को स्वस्थ रहने के लिए कई मंत्र दिए, जैसे कब्ज से छुटकारा पाकर आप कैसे अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते है। साथ ही संतुलित आहार, भोजन कब और कितनी मात्रा में करना चाहिए। अपने जीवन में शरीर को स्वस्थ रखने के लिए मनुष्य की दिनचर्या और

खानपान कैसा होना चाहिए। साथ ही आज के समय में होने वाली नई-नई बीमारियों से छुटकारा पाने के लिए बगैर अंग्रेजी दवाइयों के भी आप शरीर को कैसे स्वस्थ रख सकते है और प्रकृति से जुड़कर एक लंबी आयु का जीवन जी सकते है। ग्रामीणों ने डॉक्टर सुरेश सिंह इंदौरिया से अपनी बीमारियों को दूर करने के लिए उपाय भी पूछे। डॉ सुरेश सिंह ने ग्रामीणों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं । उनके निवारण के उपाय भी बताए। बेसिक शिक्षा अधिकारी नरेंद्र सिंह वर्मा ने कि सूर्या फाउंडेशन व इंटरनेशनल नेचरोपैथी ऑर्गेनाइजेशन एक सामाजिक संस्था है जो देश के सर्वांगीण विकास हेतु समर्पित है पिछले 30 वर्षों से राष्ट्र निर्माण गतिविधियों के साथ-साथ योग चिकित्सा का ज्ञान तथा लाभ घर-घर तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। इस कार्यक्रम के जनपद पंचायत अध्यक्ष व ग्रामीणों ने राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान एवं आयुष मंत्रालय का आभार व्यक्त किया। प्राकृतिक चिकित्सा, योग के प्रति जन जागरूकता हेतु रोग मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम शिव कुमार राजवाड़े ने कार्यक्रम में कहा कि अंकुरित अनाज का सेवन करेंगे तो रोगों से मुक्त रहेंगे और दीर्घ आयु प्राप्त होगी। प्राकृतिक चिकित्सा ही सभी रोगों का मूल निवारक है। कार्यक्रम का संचालन अशोक कुमार ने कहाँ की मिट्टी पानी धूप हवा सब लोगों की यही दवा इसी को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम हुआ है।संस्कार केंद्र के शिक्षक नरसिंग तोमर, आकाश, बादाम सिंह, अनिल सिंह ,धर्मेंद सिंह , राजीव शर्मा , महेश राजवत, विकास चौहान ,बलबीर सिंह, एवम अनिल रजक एव ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

विज्ञान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

निमेड़ा @ पत्रिका. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर सूर्या फाउंडेशन की ओर से बिंदायका, नंदविहार में संचालित सूर्या संस्कार केंद्र व सूर्या यूथ क्लब केंद्रों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। फाउंडेशन कार्यकर्ता संध्या शर्मा ने बच्चों को बताया कि विज्ञान दिवस डॉ. सीवी रमन द्वारा खोजे गए 'रमन प्रभाव' के सम्मान में मनाया जाता है। कार्यक्रमों का आयोजन विजय प्रजापत, मुकेश प्रजापत द्वारा किया गया।